“इसी सफ़र पर हम आज भी चल रहे हैं”

राष्ट्रपति बाराक ओबामा के शपथ ग्रहण भाषण के चुनिंदा अंश

जे. स्कॉट ऐप्पलवाइट © ए.पी.–डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

राष्ट्रपति बाराक ओबामा कैपिटॉल, वाशिंगटन डी.सी. में 20 जनवरी 2009 को मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स से पद की शपथ लेते हुए। उनका बायां हाथ उसी बाइबल पर रखा है जो अब्राहम लिंकन द्वारा शपथ ग्रहण के मौके पर प्रयुक्त हुई। शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने नेशनल मॉल पर बड़ी संख्या में एकत्रित लोगों के समक्ष शपथ ग्रहण भाषण दिया।

रॉन एडमंड्स © ए.पी.–डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

हमारी कल्पना से भी परे के संकटों का सामना करते राष्ट्र के संस्थापकों ने ऐसा चार्टर बनाया जो कानून के शासन और मनुष्य के अधिकारों को सुनिश्चित करता था, इसके पीछे प्रेरणा बने पीढ़ियों के कष्ट। ये आदर्श आज भी संसार को उजाला दे रहे हैं और हम स्वार्थ के लिए इन्हें छोड़ेंगे नहीं। और आज इस घटना को देख रहे भव्य राजधानियों से लेकर मेरे पिता जहां जन्मे, उस छोटे से गांव तक के उन सब लोगों और सरकारों से कहना है: अमेरिका शांति और गरिमा से भरे भविष्य की कामना करने वाले हर राष्ट्र, स्त्री, पुरुष और बच्चे का मित्र है, और हम एक बार फिर नेतृत्व के लिए तैयार हैं।

याद कीजिए कि पहले की पीढ़ियों ने फासीवाद और साम्यवाद का मुकाबला मिसाइलों और टैंकों से ही नहीं बल्कि मज़बूत गठबंधनों और दीर्घजीवी प्रतिबद्धताओं से किया था। वह समझते थे कि केवल हमारी ताकत हमें सुरक्षित नहीं रख पाएगी, न ही यह हमें मनमानी करने का अधिकार देती है . . . हमें जीने के अपने तरीके के लिए अफसोस जताने की ज़रूरत नहीं है, न ही हम उसकी रक्षा में हिचकिचाएंगे, और आतंक तथा निर्दोषों की हत्या करके अपने उद्देश्यों को पाने की चाहत रखने वालों से हमारा कहना है क हमारे हौसले मज़बूत हैं और इन्हें तोड़ा नहीं जा सकता; आप हमसे पार नहीं पा सकते, हम आप को हराएंगे।

हम जानते हैं कि मिलीजुली विरासत हमें मज़बूती देती है, कमज़ोर नहीं करती। हम ईसाइयों और मुसलमानों, यहूदियों और हिन्दुओं, और सम्प्रदायों में विश्वास न करने वालों का राष्ट्र हैं। हमें संसार के कोने-कोने से आई संस्कृतियों और भाषाओं ने स्वरूप दिया है; और हमने गृहयुद्ध और श्वेत-अश्वेत के भेदभाव का कड़वा घूंट पिया है और उस अंधेरे से मज़बूत और एकता की डोर से बंधे निकले हैं। हम इस विश्वास के बिना जी नहीं सकते कि पुरानी नफरतों का दौर गुजर जाएगा, कबीलाई सोच की सीमाएं खत्म हो जाएंगी, जैसे-जैसे संसार छोटा होगा, हमारी साझी मनुष्यता प्रकट होगी, और अमेरिका शांति के एक नए युग का सूत्रपात करने में अपनी भूमिका अदा करेगा।

http://www.whitehouse.gov/

क्रैग मिलर © ए.पी.–डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.